Series : HGFE1

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड **4/1/2**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (ब)
HINDI (B)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* | *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **16** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल चार खण्ड हैं – **क**, **ख**, **ग** और **घ**।*

(iii) ***खण्ड क** में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।*

(iv) ***खण्ड ख** में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।*

(v) ***खण्ड ग** पाठ्य-पुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।*

(vi) ***खण्ड घ** रचनात्मक लेखन पर आधारित है, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।*

(vii) *यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : 7

क्रोध दु:ख के चेतन कारण के साक्षात्कार या अनुमान से उत्पन्न होता है। साक्षात्कार के समय दु:ख और उसके कारण के संबंध का परिज्ञान आवश्यक है। तीन-चार महीने के बच्चे को कोई हाथ उठाकर मार दे, तो उसने हाथ उठाते तो देखा है पर उसकी पीड़ा और उस हाथ उठाने से क्या संबंध है, यह वह नहीं जानता है। अतः वह केवल रोकर अपना दु:ख मात्र प्रकट कर देता है। दु:ख के कारण की स्पष्ट धारणा के बिना क्रोध का उदय नहीं होता। दु:ख के सज्ञान कारण पर प्रबल प्रभाव डालने में प्रवृत्त करवाने वाला मनोविकार होने के कारण क्रोध का आविर्भाव बहुत पहले देखा जाता है। शिशु अपनी माता की आकृति से परिचित हो जाने पर ज्यों ही यह जान जाता है कि दूध इसी से मिलता है, भूखा होने पर वह उसे देखते ही अपने रोने में कुछ क्रोध का आभास देने लगता है।

सामाजिक जीवन में क्रोध की ज़रूरत बराबर पड़ती है। यदि क्रोध न हो तो मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से कष्टों की चिरनिवृत्ति का उपाय ही न कर सकेगा। समाज में निराशा और अत्याचार का बोलबाला बढ़ जाएगा। कोई मनुष्य किसी दुष्ट के नित्य दो-चार प्रहार सहता है। यदि उसमें क्रोध का विकास नहीं हुआ है तो वह केवल आह-ऊह करेगा, जिसका उस दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं। उस दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा। संसार किसी को इतना समय ऐसे छोटे-छोटे कामों के लिए नहीं दे सकता।

(i) क्रोध की उत्पत्ति का क्या कारण है ? 1

(A) सामने वाले के हृदय में दया उत्पन्न करना

(B) दु:ख के चेतन कारण के साक्षात्कार का अनुमान

(C) क्रोध को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानना

(D) अपनी भावनाओं पर नियंत्रण न रख पाना

(ii) माँ की गोद में जाते ही शिशु क्यों शांत हो जाता है ? 1

(A) माता शिशु की जननी है।

(B) सुरक्षा का अनुभव करता है।

(C) माँ की गोद में ममता का अनुभव करता है।

(D) माँ की आकृति पहचान भूख शांत हो जाने की आशा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : 1

कथन : क्रोध की आह-ऊह का दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

कारण : दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा।

विकल्प :

(A) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(iv) गद्यांश का लेखक सामाजिक जीवन में क्रोध का समर्थन करता है, क्यों ? 2

(v) गद्यांश के आधार पर क्रोध की व्याख्या कीजिए। 2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : 7

भारतीय चिंतन में स्वास्थ्य का अर्थ 'स्व' में स्थित होता है। दूसरे शब्दों में एक आत्मस्थ व्यक्ति को स्वस्थ कहा जा सकता है। जीवन का आनंद लेने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य व्यक्ति के व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण है। समाज का एक उत्पादक सदस्य होने के नाते हमें जागरूक और शरीर से क्रियाशील होने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य मनोविज्ञान में वे मनोवैज्ञानिक कारक आते हैं जो स्वास्थ्य को बनाए रखने और उन्नत करने में सहायक होते हैं। यह उन कारकों की भी खोज करता है जो रोग की स्थिति पैदा करते हैं। हमारी जीवन शैली और सोचने एवं व्यवहार करने के तरीके लोगों के स्वास्थ्य स्तर में योगदान करते हैं। व्यायाम, पौष्टिक भोजन लेने और धूम्रपान जैसे दुर्व्यसनों में परिवर्तन से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है।

स्वास्थ्य शारीरिक और मानसिक कुशलक्षेम की अवस्था को कहते हैं। यह एक सकारात्मक अवस्था है। लोगों के व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन में स्वास्थ्य का केन्द्रीय स्थान है। आज की दुनिया में लोगों के गुणात्मक जीवन को चारों ओर से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिसका परिणाम लोगों का गिरता स्वास्थ्य है। एक ओर बाहरी पर्यावरण बड़ी तेजी से बदल रहा है। इससे अनेक पर्यावरणीय तनावों से सफलतापूर्वक निपटने की आवश्यकता है। सामाजिक संरचना में आए बदलाव जैसे परिवार और अन्य सामाजिक संस्थाओं का विघटन, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी संस्कृति द्वंद्व और असहयोग को बढ़ावा प्रदान कर स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।

(i) गद्यांश के अनुसार व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण है : 1

(A) धन
(B) संघर्ष
(C) स्वास्थ्य
(D) परिश्रम

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) 'समाज का उत्पादक सदस्य होने से' क्या अभिप्राय है ? *1*

(A) समाज के विकास में योगदान देने वाला सक्रिय नागरिक

(B) कल-कारखानों में काम करने वाला मेहनती श्रमिक

(C) खेत-खलिहानों में काम करने वाला परिश्रमी किसान

(D) देश के विकास में योगदान देने वाला चिंतनशील वैज्ञानिक

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : उत्तम स्वास्थ्य व्यक्ति के व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन के लिए आवश्यक है।
कारण : मन की जागरूकता और शरीर की क्रियाशीलता स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है।

विकल्प :

(A) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(B) कथन और कारण दोनों सही हैं।
(C) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।
(D) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(iv) स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाले नकारात्मक कारकों का उल्लेख कीजिए। *2*

(v) स्वास्थ्य किसे कहते हैं ? शरीर को स्वस्थ कैसे रखा जा सकता है ? *2*

खण्ड ख
(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) किसी वाक्य में विशेषण पदबंध की पहचान कैसे की जा सकती है ?

(ख) 'हरिहर काका हवेली से दालान की ओर चल पड़े।' – वाक्य में से क्रिया-विशेषण (अव्यय) पदबंध चुनकर लिखिए।

(ग) 'गाँव में एक बड़ी और विशाल ठाकुरबाड़ी है।' – वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद बताते हुए कारण भी स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'दूसरों की मदद करने वाला वह लोगों की निंदा का पात्र बना।' – वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।

(ङ) 'नानी से अपनी पसंद का खाना माँगकर खाने लगते थे।' – वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) शुद्ध सोना अलग है और गिन्नी का सोना अलग है। – सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(ख) मिश्र वाक्य को संयुक्त वाक्य में कैसे रूपांतरित किया जाता है ? उदाहरण सहित लिखिए।

(ग) 'बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेलकर उसकी ज़मीन को हथिया रहे हैं।' – संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(घ) 'हमारे ग्वालियर के मकान के दालान में दो रोशनदान थे।' – मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(ङ) 'फ़िल्म जगत में एक सार्थक और उद्देश्यपरक फ़िल्म बनाना कठिन काम है।' – वाक्य का भेद लिखिए।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) शरण में आगतों की रक्षा करना मानव धर्म है। – रेखांकित पदों की जगह समस्तपद प्रयुक्त कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए।

(ख) 'मधुमक्खी' समस्तपद का विग्रह करते हुए समास का नाम भी लिखिए।

(ग) द्वंद्व समास की विशेषता बताते हुए एक उदाहरण दीजिए।

(घ) 'लंबोदर' समस्तपद समास के किस भेद का उदाहरण है ? कारण स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'नीलकंठ' समस्तपद का विग्रह कर्मधारय और बहुव्रीहि समास दोनों रूपों में कीजिए।

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) 'बड़े भाई साहब की रचनाओं को समझना मेरे लिए छोटा मुँह बड़ी बात थी।' – पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ख) 'बाधा उत्पन्न करना' अर्थ को व्यक्त करने वाला उपयुक्त मुहावरा लिखिए।

(ग) 'अंधे के हाथ बटेर लगना' मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

(घ) 'भारतीय वैज्ञानिकों की विश्व में ____________ है।' – उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(ङ) 'तिल का ताड़ बनाना' मुहावरे के अर्थ को व्यक्त करने वाला कोई अन्य मुहावरा लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन-सा उपदेश लिया ? या यों ही पढ़ गए ? महज इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास। जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो। रावण भूमंडल का स्वामी था। ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं। आजकल अंग्रेज़ों के राज्य का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते। संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेज़ों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिलकुल स्वाधीन हैं। रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ ? घमंड ने उसका नाम-निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू भर पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराए नहीं। अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।

(i) गद्यांश में रावण का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ? *1*

(A) छोटे भाई को अभिमान के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए

(B) रावण के दुखदायी और एकाकी अंत से परिचित कराने के लिए

(C) रावण को अंग्रेज़ों से भी अधिक शक्तिशाली बताने के लिए

(D) रावण के शक्तिशाली साम्राज्य से परिचित कराने के लिए

(ii) रावण को चक्रवर्ती सम्राट कहे जाने का प्रमुख कारण है : *1*

(A) बड़े-बड़े देवताओं को अपने नियंत्रण में रखना

(B) संपूर्ण संसार पर अपना आधिपत्य स्थापित करना

(C) राजा-महाराजाओं से मनमाना कर वसूल करना

(D) अपने राज्य का विस्तार दूर तक करना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।

कारण : वास्तविक ज्ञान बौद्धिक ज्ञान है जो जीवन को सार्थक बनाता है।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(C) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(iv) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए : *1*

	कॉलम-I		कॉलम-II
1.	नाम-निशान मिटा देना	I.	कहीं का नहीं रहना
2.	एक चुल्लू भर पानी न देना	II.	अस्तित्व समाप्त करना
3.	दीन-दुनिया से जाना	III.	थोड़ी भी सहायता न करना

विकल्प :

(A) 1-III, 2-II, 3-I

(B) 1-I, 2-II, 3-III

(C) 1-II, 2-III, 3-I

(D) 1-II, 2-I, 3-III

(v) गद्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला/वाले कथन है/हैं : *1*

I. व्यक्ति को घमंड नहीं करना चाहिए।

II. शिक्षा प्राप्ति का उद्देश्य ज्ञान के साथ बौद्धिक विकास है।

III. देवताओं का अनादर नहीं करना चाहिए।

IV. किताबें पढ़कर ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है।

विकल्प :

(A) केवल IV (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) I और IV दोनों

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए कि प्रशासन द्वारा क्रांतिकारियों के साथ किया गया व्यवहार आपकी दृष्टि में कहाँ तक उचित था।

(ख) 'समाज के लिए अपने जीवन और प्रेम का बलिदान करने वालों को समाज याद रखता है।' 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) 'शैलेंद्र सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी यश और धन-लिप्सा से कोसों दूर थे।' 'तीसरी क़सम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के संदर्भ में सिद्ध कीजिए।

(घ) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि ऐसा क्या हुआ कि समुद्र अपने क्रोध पर नियंत्रण खो बैठा और उसका क्या दुष्परिणाम निकला ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
– जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल !

(i) 'पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश' पंक्ति का अभिप्राय है : *1*

(A) प्रकृति अपनी वेशभूषा बार-बार बदल रही है

(B) पर्वतों पर बादल बार-बार रूप बदल रहे हैं

(C) प्रकृति का रूप सौंदर्य पल-पल नए रूप धारण कर रहा है

(D) बादल बार-बार प्रकृति को नया रूप प्रदान कर रहे हैं

(ii) पर्वतों की आँखें किसे कहा गया है ? *1*

(A) दर्पण को (B) ताल को

(C) पुष्पों को (D) मेखला को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) तालाब की समानता दर्पण से किस आधार पर की गई है ? *1*

(A) रूपाकार (B) चमक

(C) पारदर्शिता (D) स्वच्छता

(iv) पर्वत ताल में क्या देख रहा है ? *1*

(A) आकाश का प्रतिबिंब (B) रंग-बिरंगे पुष्प

(C) अपना विशाल आकार (D) बादलों का सौंदर्य

(v) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसका वर्णन किया है ? *1*

(A) वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश की अलौकिक सुषमा

(B) वर्षा ऋतु में रंग-बिरंगे पुष्पों की सुंदरता

(C) पर्वतीय प्रदेशों में पाई जाने वाली वनस्पति

(D) पर्वतों की तलहटी में पलने वाले तालाब

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) तन और वस्त्रों की स्वच्छता तो साबुन-पानी से की जा सकती है, स्वभाव को किस प्रकार स्वच्छ किया जा सकता है ? कबीर की साखी के संदर्भ में लिखिए।

(ख) श्रीकृष्ण की चाकरी करने के पीछे मीराबाई की क्या अभिलाषा थी ?

(ग) अनेक भारतीयों को मौत के घाट उतारने वाली तोप को सँभाल कर क्यों रखा गया है ? 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए।

(घ) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने युवाओं को 'राम और लक्ष्मण' से क्यों संबोधित किया है ?

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 – 50 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'हरिहर काका' पाठ में हरिहर काका की तुलना मझधार में फँसी नाव पर सवार लोगों से किस आधार पर की गई है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ में अंग्रेज़ों द्वारा गाँव के नवयुवकों को फ़ौज में भर्ती करने के लिए नौटंकी द्वारा उन्हें आकर्षित करने का उल्लेख किया गया है। वर्तमान समय में प्रचार-प्रसार के तरीकों में क्या परिवर्तन आया है ?

(ग) 'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी के लगातार दो बार फ़ेल हो जाने के जो कारण दिए गए हैं, क्या आप उनसे सहमत हैं ? सहमति या असहमति दोनों स्थितियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड घ

(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) पर सेवा का सुख
संकेत-बिंदु
- पर सेवा से अभिप्राय
- पर सेवा से प्राप्त अनुभव
- मानव जीवन की कृतार्थता

(ख) धरती का बढ़ता तापमान
संकेत-बिंदु
- तापमान बढ़ोतरी का कारण
- बढ़ोतरी से उत्पन्न समस्याएँ
- बढ़ते तापमान का समाधान

(ग) टी-20 विश्व कप (2024) का सबसे रोमांचक मैच
संकेत-बिंदु
- मैच का परिचय
- मैच के रोमांचक पल
- विजेता टीम के साथ उल्लास

13. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन लिखिए : *3*

(क) सोलर पैनल वाली कंपनी 'ऊर्जा' की ओर से अपने उत्पाद की जानकारी देने और बिक्री बढ़ाने हेतु एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(ख) प्रदेश सरकार की ओर से दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किए जाने की जानकारी देते हुए आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

14. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए : *5*

(क) अपने विद्यालय में आयोजित होने वाले खेल-दिवस समारोह में किसी विशिष्ट खेल में सम्मानित व्यक्ति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए प्रधानाचार्य की ओर से एक पत्र लिखिए।

अथवा

(ख) आपका नाम शोभित/शोभना है। भीषण गर्मी के कारण वैश्विक स्तर पर जंगलों में लगने वाली आग पर चिंता और उसके समाधानों पर विचार व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक हिंदी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए : *4*

(क) आप दिव्य/दिव्या हैं। आप अपनी आवासीय समिति के कल्याण सचिव हैं। अपनी सोसायटी में आयोजित होने वाले सात दिवसीय योग शिविर की जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

अथवा

(ख) आप विद्यालय के विद्यार्थी परिषद् के सचिव दिव्य/दिव्या हैं। आर्थिक दृष्टि से कमजोर विद्यार्थियों की सहायता हेतु विद्यालय के पुस्तकालय में बुक-बैंक की स्थापना की गई है। इस विषय में सभी विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

16. (क) आप भैरव/भैरवी हैं। अपने क्षेत्र में सरकारी दवाखाना खुलवाने का निवेदन करते हुए नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। *5*

अथवा

(ख) "रविवार का दिन था। माँ रसोई में खाना बना रही थी तभी दरवाज़े पर दस्तक हुई।" — पंक्ति को आधार बनाकर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

<u>**अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु**</u>

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2024-25

अंक-योजना

हिंदी 'ब' विषय कोड—085

प्रश्न-पत्र कोड-- 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें और उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आँकड़ों और शब्दों में लिखें।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Series: HGFE1 प्रश्न-पत्र कोड 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

अंक योजना

हिंदी 'ब'(085)

प्रश्न सं.	4/1/1	4/1/2	4/1/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न :	(7)
	(i)	(i)	(i)	(C) स्वास्थ्य	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) समाज के विकास में योगदान देने वाला सक्रिय नागरिक	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) कथन सही है लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• पर्यावरण परिवर्तन • सामाजिक संरचना में आए बदलाव • प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी संस्कृति (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
	(v)	(v)	(v)	किसे- शारीरिक और मानसिक रूप से कुशलक्षेम की अवस्था कैसे- व्यायाम, पौष्टिक भोजन लेने और बुरी आदतों में परिवर्तन	1+1
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न :	(7)
	(i)	(i)	(i)	(B) दुख के चेतन कारण के साक्षात्कार का अनुमान	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) माँ की आकृति पहचान भूख शांत हो जाने की आशा है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) कथन सही है लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले कष्टों से बचने के लिए • समाज से निराशा और अत्याचार दूर करने के लिए	2
	(v)	(v)	(v)	• दुख के कारण की जानकारी या अनुमान से जन्म लेने वाला भाव • दूसरों के द्वारा सताए जाने पर उत्पन्न होने वाला भाव • क्रोध के कारण तथा परिणाम के अन्य बिंदु भी स्वीकार्य	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				खंड – ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	
3	**3**	**3**	**3**	**'पदबंध'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	सुबह से शाम तक	1
	(ख)	-	-	विशेषण पदों का समूह/ शीर्ष पद विशेषण	1
	(ग)	-	-	संज्ञा पदबंध, संज्ञा पदों का समूह/ शीर्ष पद संज्ञा	½+½
	(घ)	-	-	सर्वनाम पदबंध	1
	(ङ)	-	-	क्रिया पदबंध	1
	-	(क)	-	विशेषण पदों का समूह/ शीर्ष पद विशेषण	1
	-	(ख)	-	हवेली से दालान की ओर	1
	-	(ग)	-	संज्ञा पदबंध, संज्ञा पदों का समूह/ शीर्ष पद संज्ञा	½+½
	-	(घ)	-	सर्वनाम पदबंध	1
	-	(ङ)	-	क्रिया पदबंध	1
	-	-	(क)	लुढ़कते-सरकते हुए	1
	-	-	(ख)	संज्ञा पदबंध, संज्ञा पदों का समूह/ शीर्ष पद संज्ञा	½+½
	-	-	(ग)	सर्वनाम पदबंध	1
	-	-	(घ)	क्रिया पदबंध	1
	-	-	(ङ)	विशेषण पदों का समूह/ शीर्ष पद विशेषण	1
4	**4**	**4**	**4**	**'रचना के आधार पर वाक्य भेद'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	मिश्र वाक्य के प्रधान एवं आश्रित उपवाक्यों को स्वतंत्र वाक्यों में बदलना तथा उन्हें योजक से जोड़ना, उदाहरण- मिश्र वाक्य- जैसे ही अध्यापक कक्षा में आए छात्र शांत हो गए। सरल वाक्य में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए। छात्र शांत हो गए। संयुक्त में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए और छात्र शांत हो गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	(ख)	-	-	हमारा दोस्त सआदत अली बहुत ऐश पसंद आदमी है।	1
	(ग)	-	-	नेचर की जो सहनशक्ति है उसकी भी एक सीमा होती है।/ जो नेचर की सहनशक्ति है उसकी भी एक सीमा होती है।	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	(घ)	-	-	नूह उनकी बात सुनकर दुखी हुए और मुद्दत तक रोते रहे।	1
	(ङ)	-	-	सरल वाक्य	1
	-	(क)	-	शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग-अलग है।	1
	-	(ख)	-	मिश्र वाक्य के प्रधान एवं आश्रित उपवाक्यों को स्वतंत्र वाक्यों में बदलना तथा उन्हें योजक से जोड़ना, उदाहरण- मिश्र वाक्य- जैसे ही अध्यापक कक्षा में आए छात्र शांत हो गए। सरल वाक्य में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए। छात्र शांत हो गए। संयुक्त में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए और छात्र शांत हो गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	-	(ग)	-	बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे हैं और उसकी ज़मीन हथिया रहे हैं।	1
	-	(घ)	-	हमारे ग्वालियर का जो मकान था उसके दालान में दो रोशनदान थे।	1
	-	(ङ)	-	सरल वाक्य	1
	-	-	(क)	'जागते रहो' फिल्म में राजकपूर ने जो अभिनय किया उसे बहुत सराहा गया।	1
	-	-	(ख)	अच्छी शासन व्यवस्था समता पर चलती है।	1
	-	-	(ग)	चेखव लेखक हैं और वे सारे संसार के चहेते माने जाते हैं।	1
	-	-	(घ)	मिश्र वाक्य के प्रधान एवं आश्रित उपवाक्यों को स्वतंत्र वाक्यों में बदलना तथा उन्हें योजक से जोड़ना, उदाहरण- मिश्र वाक्य- जैसे ही अध्यापक कक्षा में आए छात्र शांत हो गए। सरल वाक्य में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए। छात्र शांत हो गए। संयुक्त में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए और छात्र शांत हो गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	-	-	(ङ)	सरल वाक्य	1
5	**5**	**5**	**5**	**'समास'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	द्वंद्व समास में पूर्व और उत्तर दोनों पद प्रधान, उदाहरण- सुख-दुख, दूध-दही आदि। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	(ख)	-	-	तुलसीकृत – तत्पुरुष समास	½+½
	(ग)	-	-	कृष्ण है जो मृग – कर्मधारय समास	½+½
	(घ)	-	-	विग्रह के अनुसार- बहुव्रीहि समास/द्विगु समास/कर्मधारय समास	1
	(ङ)	-	-	पीला/पीत है जो अंबर – कर्मधारय समास या पीले/पीत हैं अंबर जिनके – बहुव्रीहि समास	½+½

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	-	(क)	-	शरणागत – तत्पुरुष समास	½+½
	-	(ख)	-	मधु की मक्खी/मधु का संग्रह करने वाली मक्खी – तत्पुरुष समास	½+½
	-	(ग)	-	द्वंद्व समास में पूर्व और उत्तर दोनों पद प्रधान, उदाहरण- सुख-दुख, दूध-दही आदि। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
	-	(घ)	-	बहुव्रीहि समास- अन्य पद प्रधान/ कर्मधारय समास – पूर्व पद विशेषण (कोई एक उत्तर अपेक्षित)	½+½
	-	(ङ)	-	नीला है जो कंठ – कर्मधारय समास या नीला है कंठ जिसका (शिव) – बहुव्रीहि समास	½+½
	-	-	(क)	मेखालाकार- तत्पुरुष समास	½+½
	-	-	(ख)	क्रोध रूपी अग्नि- कर्मधारय समास	½+½
	-	-	(ग)	बहुव्रीहि समास - अन्य पद प्रधान/ कर्मधारय समास – पूर्व पद विशेषण (कोई एक उत्तर अपेक्षित)	½+½
	-	-	(घ)	श्वेत है जो अंबर- कर्मधारय समास या श्वेत हैं अंबर जिनके - बहुव्रीहि समास	½+½
	-	-	(ङ)	द्वंद्व समास में पूर्व और उत्तर दोनों पद प्रधान, उदाहरण- सुख-दुख, दूध-दही आदि। (अन्य उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य)	½+½
6	**6**	**6**	**6**	**'मुहावरे'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	(1x4 =4)
	(क)	-	-	'मंत्र न लगना' मुहावरा, उपयुक्त वाक्य प्रयोग	½+½
	(ख)	-	-	फूटी आँख न सुहाना	1
	(ग)	-	-	उपयुक्त वाक्य प्रयोग	1
	(घ)	-	-	पाँव जमीन पर न पड़ना	1
	(ङ)	-	-	राई का पहाड़ बनाना/बात का बतंगड़ बनाना	1
	-	(क)	-	छोटा मुँह बड़ी बात – मुहावरा, उचित वाक्य प्रयोग	½+½
	-	(ख)	-	दीवार खड़ी करना/ राह में रोड़े अटकाना/ टाँग अड़ाना	1
	-	(ग)	-	उचित वाक्य प्रयोग	1
	-	(घ)	-	तूती बोलती (तूती बोलना) / धूम मचना	1
	-	(ङ)	-	राई का पहाड़ बनाना/बात का बतंगड़ बनाना	1
	-	-	(क)	प्राण सूखना, उचित वाक्य प्रयोग	½+½
	-	-	(ख)	गाँठ बाँध लेना	1
	-	-	(ग)	उचित वाक्य प्रयोग	1
	-	-	(घ)	राई का पहाड़ बनाना/बात का बतंगड़ बनाना	1
	-	-	(ङ)	खरी-खोटी सुनाना	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

				खंड – ग **(पाठ्य-पुस्तक)**	
7	**7** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	7 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	7 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (A) छोटे भाई को अभिमान के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए (B) संपूर्ण संसार पर अपना आधिपत्य स्थापित करना (B) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (C) 1-II, 2-III, 3-I (C) I और II दोनों	1**x** 5 **= 5**
8	**8**	8	8	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 25-30 शब्दों में) –	**(2 x 3 = 6)**
	(क)	-	-	• संगठन में शक्ति • अंग्रेज सरकार के नोटिस के बावजूद कलकत्तावासियों (स्त्री और पुरुष) द्वारा मोनुमेंट पर झंडा फहराना और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ा जाना • सुभाष बाबू के नेतृत्व में कलकत्तावासियों का एकजुट होना	2
	(ख)	-	-	भौगोलिक स्थिति - • अंदमान द्वीपसमूह में पोर्ट ब्लेयर से लगभग सौ किलोमीटर दूर स्थित लिटिल अंदमान द्वीप के बाद निकोबार द्वीपसमूह की शृंखला आरंभ • लिटिल अंदमान द्वीप से 96 किलोमीटर दूर निकोबार द्वीपसमूह का पहला द्वीप कार –निकोबार परिवर्तन - • लोककथा के अनुसार पहले दोनों द्वीप जुड़े हुए, तताँरा के क्रोध के कारण दो भागों में विभक्त	1+1
	(ग)	-	-	• लोकप्रिय फ़िल्मों के प्रतिष्ठित कलाकार होने के बावजूद शुद्ध देहाती गाड़ीवान हीरामन के चरित्र का प्रभावी अभिनय • सिर्फ दिल की जुबान समझने वाले भोले गाड़ीवान के चरित्र में डूब जाना	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	(घ)	-	-	रोने का कारण - ● घायल कुत्ते द्वारा गलती का बोध कराने पर नूह का पश्चाताप करना चरित्र की विशेषता - ● संवेदनशील, दया और करुणा की भावना से ओत-प्रोत	1+1
-	(क)	-		● प्रशासन द्वारा क्रांतिकारियों के साथ किया गया व्यवहार निंदनीय, स्वतंत्रता की वर्षगाँठ मनाना अपराध नहीं ● स्वतंत्रता प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है और इसके लिए प्रदर्शन, विरोध उचित (अन्य उचित तर्क भी स्वीकार्य)	2
-	(ख)	-		● समाज के लिए किया गया बलिदान व्यर्थ नहीं ● तताँरा-वामीरो के बलिदान से रूढ़िवादी परंपरा का अंत और नई परंपरा का आरंभ ● समाज द्वारा उनके बलिदान को सदैव याद किया जाना	2
-	(ग)	-		● राजकपूर द्वारा फ़िल्म की संभावित असफलता के खतरों से आगाह किए जाने के बाद भी फ़िल्म बनाना ● शंकर जयकिशन के कहने पर भी गीत के बोल में परिवर्तन के लिए तैयार न होना ● आत्मसंतुष्टि के लिए फ़िल्म बनाना	2
-	(घ)	-		नियंत्रण खोने का कारण - ● बड़े-बड़े बिल्डरों द्वारा समुद्र की जमीन का अतिक्रमण करना दुष्परिणाम - ● समुद्र द्वारा अपनी लहरों पर दौड़ने वाले जहाज़ों को तहस-नहस कर देना	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	-	-	(क)	पाठ में वर्णित तरीके – ● घर-घर जाकर प्रचार करना और समझाना वर्तमान तरीके - ● विज्ञान और तकनीक के माध्यम से ● मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों (सोशल मीडिया) के द्वारा	2
	-	-	(ख)	(विद्यार्थियों के व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित मुक्त उत्तर)	2
	-	-	(ग)	● फ़िल्म में कविता जैसी संवेदना और भाव-प्रवणता ● पात्रों का अभिनय जीवंत एवं सहज ● फ़िल्म के गीत कविता की भाँति मार्मिक	2
	-	-	(घ)	(विद्यार्थियों के व्यक्तिगत अनुभव पर आधारित मुक्त उत्तर)	2
9	**9** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	9 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	9 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (C) प्रकृति का रूप-सौंदर्य पल-पल नए रूप धारण कर रहा है (C) पुष्पों को (C) पारदर्शिता (C) अपना विशाल आकार (A) वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश की अलौकिक सुषमा	1 **x** 5 **= 5**
10	**10**	10	10	**'काव्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 25-30 शब्दों में) –	(2x3 =6)
	(क)	-	-	● निंदक अपनी आलोचनाओं से हमें हमारी कमियों से अवगत कराता है। ● कमियों को दूर कर, स्वभाव को निर्मल करने का अवसर प्रदान करता है।	2
	(ख)	-	-	● श्रीकृष्ण के सामर्थ्य और पुरुषार्थ को जन-सामान्य तक पहुँचाना ● उनके भक्तवत्सल स्वरूप का उदाहरण देते हुए लोगों के साथ-साथ स्वयं की भी पीड़ा हरने का निवेदन करना	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	(ग)	-	-	प्रतीकात्मकता- ● तोप- सत्ता की निरंकुशता का प्रतीक ● चिड़िया - जनता का प्रतीक संदेश- ● अत्याचारी के आतंक का अंत निश्चित है इसलिए शक्ति का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।	1+1
	(घ)	-	-	● लक्ष्मण की भाँति रावण रूपी शत्रुओं के समक्ष वीरता एवं बलिदान की स्पष्ट लकीर खींचना	2
-	(क)	-	-	● निंदको को अपने पास रखकर ● उनके द्वारा की जाने वाली आलोचना से स्वयं में सुधार	2
-	(ख)	-	-	● श्रीकृष्ण का सान्निध्य प्राप्त करना ● दर्शन, सुमिरन और भक्ति का अवसर पाना	2
-	(ग)	-	-	● ऐतिहासिक धरोहर के रूप में ● अतीत में हुई गलतियों को जानकर उन्हें न दोहराने की सीख	2
-	(घ)	-	-	● राम की विनम्रता और सहनशीलता तथा लक्ष्मण की उग्रता, दोनों की वीरता, साहस, कर्त्तव्यनिष्ठा आदि विशेषताओं को अपनाकर रावण रूपी शत्रु से सीता रूपी भारत माता की रक्षा करना ● राम-लक्ष्मण की भाँति सीमित संसाधनों के साथ बलशाली शत्रु का सामना करना	2
-	-	(क)		● समाज में परिवर्तन के लिए स्वयं में सुधार का उदाहरण प्रस्तुत करना ● स्वार्थ भाव से मुक्त लोग ही सामाजिक परिवर्तन में सहभागी	2
-	-	(ख)		● श्रीकृष्ण का सान्निध्य प्राप्त करना ● दर्शन, सुमिरन और भक्ति का अवसर पाना	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

	-	-	(ग)	● समय के अंतराल से आतंक का प्रतीक तोप का भी प्रदर्शन की वस्तु, बच्चों एवं चिड़िया के मनोरंजन का साधन बनकर रह जाना ● कोई भी सत्ता, शक्ति कितनी भी ताकतवर क्यों न हो उसका अंत निश्चित	2
	-	-	(घ)	● 'सीता' के पवित्र दामन की तरह भारत की अखंडता एवं संप्रभुता को कोई चुनौती न दे सके	2
11	**11**	**11**	11	पूरक पाठ्य पुस्तक पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 – 50** शब्दों में अपेक्षित –	(3x2 =6)
	(क)	(क)	(क)	● हरिहर काका का जीवन भी मझधार में फँसी नाव में सवार लोगों की तरह असहाय और बेसहारा हो जाना ● नाव पर सवार लोगों की तरह जीवन की जद्दोजहद से हारकर मौन धारण कर लेना ● स्वयं को परिस्थितियों के भरोसे छोड़ देना	3
	(ख)	(ख)	(ख)	● तकनीक के प्रयोग से वर्तमान समय में प्रचार-प्रसार के तरीकों में भारी अंतर ● मुद्रित और इलैक्ट्रानिक्स माध्यमों का उपयोग ● सोशल मीडिया की मदद से भी प्रचार-प्रसार (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	3
	(ग)	(ग)	(ग)	● उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य	3
				खंड – घ **(रचनात्मक लेखन)**	
12	12	12	12	किसी **एक** विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन : ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक	5 **x** 1 = **5**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13	**13**	**14**	**13**	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में औपचारिक पत्र लेखन: ● आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक	5 **x** 1 **= 5**
14	**14**	**15**	**16**	किसी **एक** विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लेखन: ● विषय-वस्तु – 2 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	4 **x** 1 **= 4**
15	**15**	**13**	**14**	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन : ● विषय-वस्तु – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	3 **x** 1 **= 3**
16	**16**	**16**	**15**	ई-मेल लेखन **अथवा** लघुकथा लेखन : ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्दों में) - ● औपचारिकताएँ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 2 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक **अथवा** लघुकथा लेखन (लगभग 100 शब्दों में) – ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रभाव – 1 अंक	5 **x** 1 **= 5**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in